कृष्णा की महिमा | By Sanghamitra Chakraborty |

हे गोकुल के कृष्ण कन्हैया
हे नंद जी के लाल
कृपा करो प्रभु नाथ जी मुझपे
तुम ही हो कृपाल
महके आपकी कृपा से
प्रभु आपका ही गुणगान
लाज मेरी रखना मोहन
हो ना कभी अपमान

धरा पे जब कंस का
बढ़ गया अत्याचार
तब ही जा करके हुआ
श्री हरि का अवतार
देवकी मैया ने जन्माया
जग का पालनहार
ग्वालों के संग खेल रहे
इस जग के करतार
अंत कंस का गोकुल में
बंसी मधुर बजाए
और महलों में कंस को
चिंता बहुत सताए
प्रेम सुधा रस बरसाए
करे सखियों के संग रास
ऐसे ही लीला के चलते
बीते कई मधुमास

छोड़ सखा सखियों को रोता
कान्हा मथुरा आए
निश्चित होना अंत है अब
कंस को कौन बताए
कृष्ण ने मारा कंस को उनकी
हो रही जय जयकार
मानव जाति पर किया था
ये प्रभु ने उपकार
कृष्ण कृष्ण बोल
तू कृष्ण कृष्ण बोल

हे नंदसुत हे कृष्ण कन्हैया
मधुर मधुर बंसी के बजैया
माँ यशोदा के आँख के तारे
नटखट तू बलदाऊ का भैया
जेलों में जन्म था पाया
कंस का वध करने को आया
खेल विधि का होता अद्भुत
कहाँ जन्मा कहाँ पे पहुँचाया
पाप करम से जो नहीं डरता
जैसा कर फिर वैसा भरता

घड़ा पाप का जब भर जाए
निश्चित है देखो वो मरता

जब ग्वालों संग कभी गैया चराए
सखियों संग कभी रास रचाए
निर्भीक हो नदिया में कूदा
काली नाग से गोकुल बचाए
समय समय सम ढलता जाए
कंस को मथुरा चैन न आए
मात करे कंस का इंतजार
कोई इसे अब ही समझाए
थोड़े समय का खेल है ये
थोड़े समय की बात
पाप मुक्त धरती होगी
श्री हरि प्रभु जी के हाथ
श्री कृष्ण ये अमृतवाणी
ग्रहण करेगा जो भी प्राणी
अगर फँसोगे मझधार जो
कवच बनेगी होगी कल्याणी

राधा कृष्ण की प्रेम दीवानी
अँखियाँ बसा लेती थी ठानी
मधुर मधुर मुरली बजवाए
कान्हा को अपनी साँसें मानी
सखियों की आँखों के तारे
उनको थे ये जान से प्यारे
एक पल भी ना देखे तो
बहने लगे आँसुओं के धारे
करना कृष्ण ने प्रेम सिखाया
इतना ढल ही रास रचाया
सखियों सखा क्रिया में या बहना
मर्यादा का भी पाठ पढ़ाया
बढ़ा समय कुछ और अब
बड़े हो गए जगपाल
कंस के निकट खड़ा है अब
कृष्ण के रूप में काल

कंस ने षडचंत्र रचाया
गोकुल से कृष्ण को बुलाया
संदेशा ले उद्धव पहुँचे
दाऊ संग कान्हा मथुरा आया
अब होगा कुछ देखने वाला
चारों ओर अँधेरा है काला
कंस भी जानेगा जब तक ये
प्राण हरेगा नंद जी का लाला
कंस ने पहले की और लड़ाई
सबको कृष्ण ने मार गिराई
खींचा फिर कंस को रण में
चीर के छाती प्राण उड़ाई
अति का देखा अंत करा था

जैसा किया था वैसा भरा था
पर ये समझना कंस की भूल
सामने असली बली खड़ा था
तुम ही बलवान प्रभु
तुम ही हो धनवान
वो नर है मति के मारे
जो स्वयं बने भगवान

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%83%e0%a4%b7%e0%a5%8d%e0%a4%a3%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%be-by-sanghamitra-chakraborty/